

प्रीलमिंस फ़ैक्ट्स : 7 जून, 2018

भारत - इंडोनेशिया समन्वति नगिरानी अभियान

- 31वें भारत-इंडोनेशिया समन्वति नगिरानी (इंड-इंडो कॉरपेट) अभियान के समापन समारोह के लिये कमांडर दीपक बाली की कमान में आईएनएस कुलीश और अंडमान तथा नकिोबार कमान का एक डोरनयिर समुद्री गश्ती वमिन बेलावन, इंडोनेशिया पहुँचा ।
- समापन समारोह 6 से 9 जून, 2018 तक आयोजति कथिा जाएगा ।
- 24 - 25 मई, 2018 को पोर्ट ब्लेयर में इंड-इंडो कॉरपेट अभियान को शुरु कथिा गया था, इसके तहत 26 मई से 2 जून, 2018 तक समन्वति नगिरानी की गई ।
- दोनों देशों की नौसेनाएँ रणनीतिक साझेदारी की व्यापक परधिके अंतरगत वर्ष 2002 से वर्ष में दो बार 'अंतरराष्ट्रीय सामुद्रक सीमा रेखा' (IMBL) पर समन्वति नगिरानी को कार्यान्वति कर रही हैं ।

उद्देश्य

- इसका उद्देश्य मतिरवत देशों के साथ समुद्री क्षेत्र में भारत की शांतपूरण उपस्थति एवं एकता के लिये बेहतर माहौल सुनश्चिति करना तथा भारत-इंडोनेशिया के बीच मौजूदा संबंधों को सुदृढ करना है ।
- इसके तहत हदि महासागर क्षेत्र को वाणजियकि नौपरविहन और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिये सुरकषति बनाने पर वशिष बल दथिा गया है ।
- हाल के समय में क्षेत्र के समुद्री खतरों से नपिटने के लिये भारतीय नौसेना की तैनाती बढी है । इसके अतरिकित भारत सरकार के सागर (क्षेत्र में सभी के लिये सुरकषा और प्रगति) के दृष्टिकोण के हसिसे के रूप में भारतीय नौसेना हदि महासागर क्षेत्र में कई राष्ट्रों की सहायता कर रही है ।

वशिष आर्थकि ज़ोन नीतिका अधययन करने वाले समूह के प्रमुख होंगे: बाबा कल्याणी

भारत सरकार ने वशिष आर्थकि ज़ोन (सेज़) नीतिका अधययन करने के लिये प्रतषिठति व्यक्तियों के एक समूह का गठन कथिा है । सेज़ नीतिका अपरैल, 2000 से लागू है । इसके बाद मई, 2005 में संसद ने वशिष आर्थकि ज़ोन अधनियिम, 2005 पारति कथिा और इसे 23 जून, 2005 को राष्ट्रपतिका स्वीकृति मलिी । सेज़ अधनियिम, 2005 को 10 फरवरी, 2006 से लागू कथिा गया है ।

- यह समूह सेज़ नीतिका अधययन करेगा, वर्तमान आर्थकि परदृश्य में नरियातकों की जरूरतों के मुताबकि सुझाव देगा, सेज़ नीतिका डबल्यूटीओ के अनुकूल बनाएगा, सेज़ नीतिका सुधार का सुझाव देगा, सेज़ योजनाओं का तुलनात्मक वशि्लेषण करेगा और सेज़ नीतिका अन्य समान योजनाओं के अनुरूप संगत बनाने के लिये सुझाव देगा ।
- यह समूह तीन महीने में अपनी अनुशंसाएँ प्रदान करेगा ।

वशिष आर्थकि क्षेत्र

- वशिष आर्थकि क्षेत्र अथवा 'सेज़' (Special Economic Zones – SEZs) उस वशिष रूप से पारभाषति भौगोलकि क्षेत्र को कहते हैं, जहाँ से व्यापार, आर्थकि क्रयिकलाप, उत्पादन तथा अन्य व्यावसायकि गतविधियिँ संचालति की जाती हैं ।
- यह क्षेत्र देश की सीमा के भीतर वशिष आर्थकि नयिम कायदों को ध्यान में रखकर व्यावसायकि गतविधियिँ को प्रोत्साहति करने के लिये वकिसति कथिा जाता है ।
- इसके लिये सरकार ने अतरिकित आर्थकि गतविधियिँ का संचालन करने; वस्तुओं और सेवाओं के नरियात को प्रोत्साहन देने; स्वदेशी और वदिशी स्रोतों से नविश को प्रोत्साहन; रोजगार के अवसरों का सृजन; आधारभूत सुवधिओं का वकिस इत्यादि के उद्देश्य से 2005 में एक अधनियिम पारति कथिा था।

डॉ. वर्जीनयिा ऐपगार

डॉ. वर्जीनयिा ऐपगार के 109वें जन्मदिन के अवसर पर गूगल ने डूडल बनाकर उनको याद कथिा है । इस डूडल में डॉ. वर्जीनयिा ऐपगार को एक लेटरपैड तथा पेन

पकड़े हुए दिखाया गया है।

महत्त्वपूर्ण बटु

- वर्जीनिया ऐपगार का जन्म 7 जून 1909 को हुआ था।
- उन्हें ऐपगार स्कोर (जन्म के तुरंत बाद नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य का त्वरित आकलन करने का एक तरीका) के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है।
- उनका शुरुआती जीवन अमेरिका के न्यू जर्सी में बीता।
- उन्होंने परिवार में बहुत सी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को देखा जिसके कारण उनकी रुचि चिकित्सा एवं विज्ञान की तरफ बढ़ी गई।
- वर्ष 1949 में डॉ. वर्जीनिया ने सर्जरी में अपनी पढ़ाई पूरी की।
- डॉक्टर वर्जीनिया पहली महिला थीं जो प्रतष्ठित कोलंबिया यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ फ़िज़िशियंस एंड सर्जंस में प्रोफेसर बनीं। उन्होंने यह उपलब्धि वर्ष 1949 में हासिल की।
- डॉक्टर ऐपगार और उनके साथियों ने वर्ष 1950 के दौरान अमेरिका में बढ़ते शिशु मृत्यु दर के समय कई हजार नवजात बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी एकत्रित की।
- वर्ष 1960 तक किसी बच्चे के पैदा होने के 24 घंटे के भीतर उसके स्वास्थ्य का पता लगाना बहुत आसान हो गया था।
- 1972 में डॉक्टर वर्जीनिया ने 'Is My Baby All Right?' नाम से एक किताब लिखने में भी योगदान दिया।
- इस किताब में जन्म के दौरान होने वाली समस्याएँ और उनके समाधान को स्पष्ट किया गया है।
- डॉ. ऐपगार की मृत्यु वर्ष 1974 में हो गई।

ग्वाटेमाला का फ़्यूगो ज्वालामुखी

फ़्यूगो ज्वालामुखी ग्वाटेमाला में चमिलटेंगो, एस्कंडाला और सैकटेपेक्यूज़ की सीमाओं पर अवस्थित एक सक्रिय स्ट्रैटोज्वालामुखी है। जब मेग्मा सतह तक पहुँच जाता है, तो वह एक तरह के ढाल ज्वालामुखी या स्ट्रैटोज्वालामुखी के रूप में एक ज्वालामुखी पर्वत का निर्माण करता है।

- फ़्यूगो ज्वालामुखी ग्वाटेमाला के सबसे प्रसिद्ध शहरों और पर्यटक गंतव्य के तौर पर प्रसिद्ध है।
- फ़्यूगो ज्वालामुखी, राजधानी ग्वाटेमाला सिटी के लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में अवस्थित है।

ग्वाटेमाला

- यह मध्य अमेरिका में स्थित एक देश है, जिसके उत्तर-पश्चिम में मेक्सिको, दक्षिण पश्चिम में प्रशांत महासागर, उत्तर-पूर्व में बेलीज़, पूर्व में कैरेबियन और दक्षिण पूर्व में होंडुरास और अल सालवाडोर स्थित है।
- इस देश की राजधानी ग्वाटेमाला सिटी है। ग्वाटेमाला की समृद्ध जैविकी और अद्वितीय पारिस्थितिकी इसे जैव विविधता के लक्ष्य से महत्त्वपूर्ण बनाती है।
- ग्वाटेमाला नाम की व्युत्पत्ति 'नहुआती' या 'नहुआटी' भाषा के शब्द 'क्वाटेमलान' से हुई है जिसका अर्थ है अनेक वृक्षों का स्थान।